



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 26, 1985/चैत्र 5, 1907
No. 4] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 26, 1985/CHAITRA 5, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज

मदुरै, 25 फरवरी, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (घ) (1) के अधीन सूचनाएं

निर्देश सं. 13/7/84—अत. मुझे, बी. एम. मुत्तुरामनिगम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि काट्टपुथूर है, जो त्रिन्ची डिस्ट्रिक्ट में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काट्टपुथूर लेखा सं. 728/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह

प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के. एस. कदिवेल (अन्तरक)

(2) श्री कैप्टन. के. कृष्णन (अन्तरिनी)

फार एक्स सर्वोसमैत को. आप. सोमाईटी, डायरेक्टर को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—काट्टुपुथूर, ट्रिच्यो डिस्ट्रिक्ट
काट्टुपुथूर/लेखा सं. 728/84।

तारीख : 25-2-85

मोहर

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Madurai, the 25th February, 1985

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. 13/7/84.—Whereas, I, V.M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Agrl. land situated at Kattuputhur, Trichy District (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kattuputhur, Doc. No. 728/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri K. S. Kadirval, s/o. Sankaravel Mudaliar, Mudaliar Tharu, Kattupudur. (Transferor)
- (2) Captain K. Krishnan, s/o. Gurusamy Pillai, for—Ex-servicemen Coop. Society, Temporary Director, Nagaiya Nallur Road, Kattupudur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agrl. land at Kattuputhur, Trichy Dist. Kattupudur/Doc. No. 728/84.

Date : 25-2-85.

Seal

निदेश : सं. 4/7/84.—अतः मुझे. वी. एम. मुत्तुरामलिंगम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. है, जो कर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेलकरुर लेख सं. 1741/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 1984 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वाक्त संपत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री के. सुब्रह्मणि (अन्तरक)
- (2) श्री के. काटारय्यन और सुंदरमूर्ति (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एनद्रा द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् आक्षेप के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इन स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति की जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा संपत्ति के अन्तरिती को जाएंगे ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का जिन पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिपार होगा ।

स्पष्टीकरण :

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि-I बार्ड, टी. एम. नं. 1190/2 तथा 1190/3
मेलकरुर लेख सं. 1741/84, करुर ।

तारीख : 25-2-85

मोहर

Ref. No. 4/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1st Ward, T. S. No. 1190/2 and 1190/3, situated at Melakarur, Karur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Melakarur [Doc. No. 1741/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri K. Subramani, Lakshmipuram, Karur Town.—(Transferor)
- (2) Sri K. Katrayan and Sundaramurthy, Valiyampudur, Vellaianeri, Thenpagam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

LAND :—I ward, T. S. No. 1190/2 and 1190/3, Malakarur, Karur, Melakarur|Doc. No. 1741/84

Date : 25-2-85.

Seal

निदेश सं. 284/7/84.—अतः मुझे, बी. एम. मुत्तुरामल्लगम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस. 64 (हिस्सा) 65 (हिस्सा), न्यू टी. एस. नं. 27 वार्ड डी ब्लॉक 27 है, जो तेन्नूर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, औरंगूर लेख सं. 1872/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसा अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बनने के लिए मुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय, 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री बी. आर. राजगोपालन (अन्तरक)
- (2) श्री ए. स्वामिनाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावरसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस म्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारित-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि :—टी. एस. 64 (हिस्सा), 65 (हिस्सा) न्यू टी. एन. 27, वार्ड डी., ब्लॉक 27, तेन्नूर गांव औरियूर लेख सं. 1872/84

तारीख : 25-2-85

मोहर

Ref. No. 284/7,84.—Whereas, I V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. T.S. 64(part) 65(Part) New T. S. No. 27, Ward D, Block 27, situated at Thennoor Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oraiyur|Doc. No. 1872/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri V. R. Rajagopalan, s/o. Sri V. S. Ramasamy, 63, Vengadachalam Nagar, Adyar, Madras 20.—(Transferor)
- (2) Sri A. Swaminath, s/o. Sri Annamalai, 11, Vengadachalam Chettiar St. Kottaiyur, Ramanathanpalam.—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

LAND : T. S. 64 (part) 65 (part) New T.S. 27, Ward D, Block 27, Thennoor Village, Oraiyur.|Doc. No. 1872/84.

Date 25-2-85

Seal

निर्देश: सं. 1/7/84.—अतः मुझे, वी. एम. मुत्तुरामलिंगम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. [वार्ड, 46 ब्लॉक, तिरुमणिलयूर है, जो कल्लुरटाउन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध से और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेसकल्लूर लेख सं. 1832/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के

किण सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अलिखित किण गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी अधिनारि चेट्टियार और अन्यो (अन्तरक)

(2) श्री पी. रामस्वामि गौडर और दूसरे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :— I वार्ड, 8 डिब्रिजन 46 ब्लॉक, तिरुमणिलयूर कडर टाउन, मेलाकरुर—लेख सं. 1832/84 तारीख : 25-2-85

मोहर :

Ref. No. 1/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. I Ward, Div. 8, 46 block, situated at Thirumanilayur, Karur Town, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Melakarur [Doc No. 1832/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Ardhanari Chettiar, and others s/o Arumugham Chettiar, Kamaraj Road, Karur.— (Transferor)
- (2) Sri P. Ramasamy Gounder, and another s/o Peeriyana Gounder, R. K. Puram, Karur.— (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

LAND and buildings :—J Ward, 8 division, 46 Block, Thirumanilayur, Karur Town. Malakarur|Doc. No 1832|84.

Date :25-2-85

Seal

निर्देश सं० 27/7/84.—अतः मुझे, बी०एम० सुत्तुर-मल्लिगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० II वार्ड, निरुमुत्तम श्रीरंगम है, जो ट्रिचची में स्थित है (और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरंगम लेख सं० 1653/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दर देने के अन्तरक के शायित्व में वमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री एन०आर० रंगनाथन पावर एजेंटफार श्री एन० आर० कृष्णन (अन्तरक)
- (2) श्री पी०एन० बालमुन्नयनियम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करना है।

उक्त संपत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हो, की मुतवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे गेमा आक्षेप किया है तथा संपत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की मुतवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान,— II वार्ड, निरुमुत्तम, श्रीरंगम, ट्रिचची, श्रीरंगम-लेख सं० 1653/84

तारीख : 25-2-85

मोहर

Ref. No. 27/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. II Ward, Thirumutham, situated at Srirangam, Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam|Doc. No. 1653/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri N. R. Ranganathan, Power agent for Sri N. R. Krishnan, Sri Varadhachari, Ranganagar, Srirangam—(Transferor)
- (2) Sri P. N. Balasubramaniam, s/o. P. V. Naga-Samy Iyer, 11, Varadachari St., Ranganagar, Srirangam—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land and building :—II Ward, Thirumutham, Srirangam, Trichy. Srirangam|Doc. No. 1653|84.

Date : 25-2-85

Seal

निदेश संख्या 16/7/84.—अनः मुझे, वी०एम० सुत्तुरामलिंगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० नं० 331/1, कृष्णामुद्रम है जो ट्रिन्ची में स्थित है (इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवरुथूर

लेख सं० 2087/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा; 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री वी० निवासन (अन्तरक)
- (2) श्री एन० रामदाम (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान

नियत सिधे जायेंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि.—एस०न० 339/1 कृष्णसमुद्रम गाव, त्रिचची
तिरुवरमपुर/लेख सं० 2087/84

तारीख 25-2-85

मोहर :

Ref. No. 16/7/84 —Whereas, I V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. S. No. 331/1, Krishnasamudram, situated at Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvarampur Doc. No. 2087/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer ;
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri V. Srinivasan, s/o. Viswanathan, Block No. 117 and 116, Welpoormodel Township
1771 GI 84—2

Block No 117 and 116, Krishnasamudram, Trichy.—(Transferor)

- (2) Sri N. Ramadoss, s/o Narasimhan, No. 237—42, Block-3 ward, Ncyveli—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land.—S. No. 339/1, Krishnasamudram Village, Trichy. Thiruvarampur Doc. No. 2087/84.

Date : 25-2-85.

Seal :

निर्देश सं. 29/7/84 — अत. मुखे, वी. एम. मुत्तु-गमलिंगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसका म. उक्कडे अरियमंगलम् है, जो त्रिचची डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिचची लेख सं. 1271/84 में, भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई 84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रिकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की वारत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसा किमी आय किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अन अब धारा 271-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

- (1) श्रीमती ए. एम. एस. पञ्जातिवी (अन्तरक)
- (2) श्री एम. अब्दुल अजीम् (अन्तर्गती)

की यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में दया-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—उक्काडै, अरियमंगलम, ट्रिचची डिस्ट्रिक्ट-ट्रिचची
लेख सं 1271/84

तारीख . 25-2-85

मोहोर :

Ref. No. 29/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Ukkadai, Ariyamangalam, situated at Trichy Dist. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy [Doc. No. 1271/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. A.M.S. Shajathivee, Pirangikulatheru, Trichy—(Transferor)
- (2) Sri M. Abdul Ajeez, Ukkadai, Ariyamangalam, Trichy.—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land at —Ukkadai, Ariyamangalam, Trichy
Dist. Trichy|Doc. No. 1271|84.

Date . 25-2-1984.

Seal :

निर्देश स 2/7/84—अन. मुझे, वा एम मुत्तुराम-
लिंगम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसका स कृषि
भूमि तान्तोन्ड्री गांव है, जो करार में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधि-
कारी के कार्यालय, मेल करार लेख स 1785/84 में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16 जुलाई 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में
क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रारकृत विलेख के
अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और
अन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के 20 शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

अन अब धारा 271-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 239-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री पी. पलनियप्प गौडर (अन्तरक)
- (2) मैसर्स पञ्चावति टेक्स्टाइल्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो ता

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये
आक्षेपों, यदि कोई हो को सुनवाई के लिए तारीख और
स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति
को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती
को दो जाएंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है। आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण --

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वहां अर्थ होगा
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—तान्तोन्ड्री गांव, करार, मेलकरार—लेख
स 1785 /84

तारीख
मोहर

Ref. No. 2/7/84.—Whereas, I, V. M. Muthurama-
lingam, being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereunder referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing
No. Agricultural land situated at Thanthondri Village,
Karur (and more fully described in the schedule
annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at Melar Karur|Doc. No. 1785|
84 on July 1984 for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1), of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri P. Palaniappa Gounder, s/o. Late, Pachaimuthu Gounder, Kaliappagoundanoor, Thanthondri Village, Karur, Trichy District —(Transferor)
- (2) M/s. Padamavathi Textiles, Rep. By. Managing Partner, Sri G. Sundaram, Trichy district. —(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agricultural land Thanthondri village, Karur. Melakurur/Doc. No. 1785/84.

Date : 25-2-85.

Seal .

निदेश सं. 30/7/84:—अतः मुझे, वी. एम. मुत्तुरामलिंगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. डोरन 74, गुण्णाम्बुकार तेरु है, जो ट्रिचची में स्थित है

(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिचची लेखम. 1259/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अनंरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गेसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनंरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- (1) श्री नागेन्द्र अय्यर और पार्थसारथि (अन्तरक)
- (2) श्री पदमनाभन् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इन सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुतवाही के लिए तार्किक और स्थान नियत किये जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुतवाही के समय मुने जानने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —74, सुण्णाम्बुकार थेरु, ट्रिचची, ट्रिचची—लेख सं. 1259/84

तारीख : 25-2-85

मोहर

Ref. No. 30/7/84.—Whereas, I V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Door No. 74, Sunnambukaratheru, situated at Trichy (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy [Doc. No. 1259/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269F of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Sri Nagendra Iyer and Parthasarathy, No. 19, 4th Main Road, Gandhinagar, Adyar. (Transferor)
- (2) Sri Padmanabhan, s/o. Balavenkatrama Chettiar, 10, North-Gujilitheru, Trichy town. —(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land and building :—Door No. 74, Sunnambukara Theru, Trichy. Trichy [Doc. No. 1259/84.

Date : 25-2-85.

Seal :

निर्देश सं 285/जुलाई 84 :—अतः मुझे, बी. एम. मुत्तुरामलिंगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. डोर नं. 11, वेस्ट III स्ट्रीट, है, जो पुदुकोट्टे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुकोट्टे लेख सं. 1836/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|---------------------------|------------|
| (1) श्रीमति रजहान तूबेगम् | (अन्तरक) |
| (2) श्री वेलायुधम् | (अन्तरिती) |

की यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा या :

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सूचना के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सूचना के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—ब्लॉक 3, स्ट्रीट टी.एस.नं. 3766, पुदुक्कोट्टै—लेख सं. 1836/84, पुदुक्कोट्टै—

तारीख : 25-2-85

मोहर

Ref. No. 285/July 84.—Whereas, I, V. M. Muthuramalingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 11, West III St., situated at Pudukkottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai, Doc. No. 1836/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Noorjahan Begam, w/o. Mohd. Jiyavuddeen, West III St. T. S. 3766 Pudukkottai. —(Transferee)
- (2) Sri Velayudam, s/o. V. Muthiah Chettiar, Rangiyam Vattam, Hirimayam Taluk, Pudukkottai. —(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Land and building : West III St, F S 3766, Pudukkottai Doc. No 1836/84 Pudukkottai

Date : 25-2-85

Seal

निर्देश : स 38-7-84 —अन मुझे वो एम मुत्तुराम-लिंगम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु से अधिक है और जिसकी स वेस्ट II स्ट्रीट, है जो पुदुक्कोट्टै में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, पुदुक्कोट्टै लेख स. 1710/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच यह पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अन. आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अन, अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 278-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात : -

- 1 श्री के नटराजन (अन्तरक)
- 2 श्री मधुरमा सिराजुमुत्तर, अरवि कालेज, प्रेमिडेट, अब्दुल करीम, रायुत्तर। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख प्रारंभ स्थान नियत दिने जाँचे जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—वेस्ट II, स्ट्रीट पुदुक्कोट्टै—पुदुक्कोट्टै-लेख स 1710/84।

तारीख : 25-2-85

हमारे

Ret. No. 38/7/84.—Whereas, I, v. M. Muthutamilingam, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. West II St., Pudukkottai situated at Pudukkottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai, Doc. No. 1710/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269F of the said Act to the following persons, namely :

(1) Sri K. Natarajan, s/o. K. A. Krishnasamy, Plot No. 1068, Nizam Colony, Pudukkottai.
—(Transferor)

(2) Madarasa Sirajummunir Arabic College, President, Abdul Kareem Ravuthar, West II St., T. S. No. 3869, Pudukkottai.
—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land and building:—West II St., Pudukkottai.
Pudukkottai Doc. No. 1710/84.

Date : 25-2-85

Seal :

निदेश सं. 39/7/84—अतः मुझे, वॉ. एम. मुत्तु-रामनिधम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन मध्यम प्राविधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ध्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एम. नं. 2432, 2434 और 2430 (हिस्सा) है, जो पुदुक्कोट्टै में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, पुदुक्कोट्टै लेख सं. 1708/84 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जुलाई, 84 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रार द्वारा दिवख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दयापूर्विक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच तदनुपात गवा एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय, किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना; और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त संपत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 279-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-घ की उपधारा (1) के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री पवर एजेंट श्री के.आर. गोविंदराजन
फारम श्री राजगोपाल तंडिमान (अन्तरक)
- 2 श्री ए. मेय्यप्पन् (अन्तरिता)

Seal :

निर्देश सं. 66/7/84—अतः मूले, बी. एम. मृत्तुगमलिंगम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. वल्लिथेरुमुत्तम् स्ट्रीट, 34/टी.एस. नं. 2294, ब्लॉक नं. 41 है, जो भारती स्ट्रीट, तिरुवानैक्कावल में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री रम-नेख स. 1845/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरण की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) एसी किन्ना आय किसी धन या अन्य अस्तित्वों, को, विनये भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 26-क के 20 शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण से द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 279-ग के अन्तर्गण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 238-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम कृष्णन (अन्तरक)
2. श्री मृत्तुकृष्णन् मुदलियार (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करनी है।

उक्त सम्पत्ति के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों

पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात्स्वामी के पास लिखित में किये जा सकते हैं।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दो जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुनवाई के समय मुझे जान के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 34) के अध्याय 26-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान — वल्लिथेरुमुत्तम् स्ट्रीट, 34/टी.एस. नं. ब्लॉक नं. 41, भारती स्ट्रीट, तिरुवानैक्कावल—2294 थारुगम-नेख स. 1845/84।

तारीख . 25-2-85

मोहर .

Ref. No. 66 7/84.—Whereas, I. V. M. Muthuramalingam being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Vellitherumutham St., Door No. 34, situated at T. S. No. 2294, Block No. 41, Bharathi St. Thiruvanaikaval (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam, Doc. No. 1845/84 on July 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Sri M. Krishnan, s/o Muthiah Naidu, 32/A, Barathi Theru, Thiruvanaikaval, Trichy 5.—
(Transferor)
- (2) Sri Muthukaruppan Mudaliar, 114/D, Kanniappan Theru, Srinangam, Kilavasal, Srinangam, Trichy 6.—(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land and building : Vellitherumutham St., Door No. 34, T.S. No. 2294, Block No. 41, Bharathi St., Thiruvanaikaval, Srinangam]Doc. No. 1845/84.

Date : 25-2-85.

Seal :

V. M. MUTHURAMAI INGAM,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax Acquisition Range, Madurai.

सक्षम प्राधिकारी कार्यालय

निरीक्षीय गृहायक आयकर आयुक्त (अर्जन) चैन्नै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की धारा 43)

की धारा 269 घ (1) के अर्जन नोटिस

रोहितक, 18 मार्च 1985

संदर्भ सं. पानीपत /50/84-85— केन्द्रीय सरकार
द्वारा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे आगे उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269घ के अधीन, इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत, सक्षम प्राधिकारी होने के कारण, चूँकि मुझे, आर. के. भयाना, का यह विश्वास करने का कारण है कि पत्नी इन्मार, पानीपत पर स्थित 64 क. 13 म० संख्या वाली, एक लाख रु. से अधिक के उचित बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तर्गण (ट्रांसफर) और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धत 11-7-84 को रजिस्ट्रेशन सं. 1893 के अन्तर्गत किया गया है उस सम्पत्ति के तैम दृश्यमान प्रतिफल (एपेरेण्ट कॉन्सिडरेशन) में किया गया है जो उसका उचित बाजार मूल्य के 15 प्रतिशत से भी अधिक कम है और उक्त अन्तर्गण के लिखत (इन्स्ट्रुमेंट) में ऐसे अन्तर्गण के प्रतिफल का उल्लेख, अन्तरक (को) और अन्तर्गता (तिया) के बीच हुए समझौते के अनुसार निम्नलिखित उद्देश्यों में नहीं किया गया है —

(क) इस अन्तर्गण (ट्रांसफर) में अन्तरक का हानि वाली आय के मामले में उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व (लायबिलिटी) को कम करने अथवा उससे बचन की सुविधा के लिए, और/अथवा

(ख) किसी ऐसी आय या धन या परिसम्पत्तियों का छिपाने का सुविधा के लिए, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) अथवा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट किया जाना चाहिए था।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तर्गण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अर्धत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती भागवती कटारिया पत्नी जे. आर. कटारिया, नि. 12, फोगोजगाह रोड, नई दिल्ली-2,

श्री राजेन्द्रनाथ कटारिया पुत्र जे. आर. कटारिया, 71, फ्रेड्स कॉलोनी, सुन्दर कुमार मन्दिर नाथ नि 225 न्यू फ्रेड्स कॉलोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री मोहनलाल पुत्र प्रभुदयाल, श्रीमती. लूण पत्नी मोहन लाल, नरेश कुमार पुत्र रामनाथ, रामेश्वराम, पंजाब मल, रत्नलाल, मनोहरलाल, राजेन्द्र कुमार, मायादेवी, सायालाल पुत्र लक्ष्मणाम, निवासी— म नं 38, हरी बाग कॉलोनी- पानीपत।

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसे व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त अचल सम्पत्ति में निहित किन अन्य व्यक्तियों द्वारा अग्रोहाधारों के तहत निवेश से निवेश लेने।

समाप्ति—इस सूचना जारी की, दिनांक 13 मार्च 1985, को तब तक प्रभाव में रहेगी जब तक कि 20 वर्ष के अंतराल के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति या व्यक्तिगत संस्था इस सम्पत्ति में निवेश न करे।

अनुसूची

सम्पत्ति—एक भू-खंड 13 मरी, जो निम्नी इलाक़, पतन में निहित है, जिसका जमीन पट्टा नं. 1893, दिनांक 11-7-84 पर निम्नी

समाप्ति—इस सूचना जारी की, दिनांक 13 मार्च 1985, को तब तक प्रभाव में रहेगी जब तक कि 20 वर्ष के अंतराल के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति या व्यक्तिगत संस्था इस सम्पत्ति में निवेश न करे।

निम्नी—इस सूचना जारी की, दिनांक 13 मार्च 1985, को तब तक प्रभाव में रहेगी जब तक कि 20 वर्ष के अंतराल के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति या व्यक्तिगत संस्था इस सम्पत्ति में निवेश न करे।

दिनांक : 13-3-85.

सहारा

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE.

Notice under section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Rohtak, the 18th March, 1985

Ref. No. PNP/50/84-85.—Whereas I, R. K. Bhayana, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land 64 Kanal 13 Marlas situated at Patti Insar, Panipat (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 1893, dated 11-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transferee with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Smt. Bhagwati Kataria w/o J. R. Kataria, r/o 12, Feroz Shah Road, New Delhi-2
Shri Rajender Nath Kataria s/o J. R. Kataria, r/o 71, Feroz Colony, New Delhi,
Shri Surinder Kumar & Mahender Nath, R/o 225, New Friends Colony, New Delhi
(Transferor.)

(2) Shri Mohan Lal s/o Prabhoo Dayal, Smt. Krishna w/o Mohan Lal, Naresh Kumar s/o Ram Nath, Badli Shyam, Panjab Mal, Rattan Lal, Mohan Lal, Prabhoo Kumar, Maya Devi, Smt. Lal s/o Latha Ram, R/o H. No. 33, Hari Bagh Colony, Panipat.
(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property being land measuring 64 Kanal, 13 Marlas situated at Patti Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1893 dated 11-7-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak.

Dated: 18-3-1985.

Seal :